यह नृत्य करने का समय है !

जूली मॉयर द्वारा

जूली मॉयर से मुलाकात : जूली मॉयर कनास शहर में इंटरनेशनल हाउस ऑफ प्रेयर में सन् 1999 से आराधना अगुवा हैं।

प्रभु यीशु मेरे पास आए और बोले *"मैं चाहता हूँ कि तुम मेरे मित्रों से मिलो।"* मैं यह सोचकर बहुँत उत्सुक थी कि मेरी यात्रा यशायाह, यिर्मयाह, पतरस, मूसा, जकर्याह से मिलने की होगी। उन्होने मेरा हाथ पकड़ा और हम आसमान में उड़ने लगे। मैं नही ड़र रही थी, जबकि मैं जमीन से बहुँत ही उंचाई पर थी। हम बस उड़ रहे थे,और मैं अपने चेहरे पर हवा को महसूस कर रही थी। उनके हाथ मेरे हाथ को थामें थे, मैं यह महसूस कर सकती थी। मैं जमीन से बहुँत उंचाई पर थी और हवा का मेरे चेहरे पर पड़ना बहुँत अच्छा लग रहा था। मुझमे ड़र नही था, बस उनके हाथ को थामी थी। अचानक से मैं उनके चेहरे के परिवर्तन को देखी, उन्होने अपना चेहरा पृथ्वी की ओर किए, हम सीधे पृथ्वी की ओर जाने लगे, मैं उन्हे देखी, मैं उनके चेहरे को देखी, और उनके आँखो को देख सकती थी और उनके चेहरे पर दृढ़ निश्चय था। *(यशायाह 50:7 वरन अपना माथा चकमक की नाई कड़ा किया)*

मैं सोच रही थी हम निश्चित रुप से जमीन से टकरा ना जाए, परंतु मैं उनके चेहरे को देखी और उनका चेहरा स्थिर अटल था, और मुझे लगा मुझ पर भयानक भय आ गया, जबकि मैं उनका हाथ पकड़े हुए थी। सिर को पृथ्वी की ओर नीचे किए हुए हम बहुँत ही तेजी से उड़ रहे थे और वे इससे मुड़ेगें ऐसे नही लग रहे थे। अचानक पृथ्वी से टकरा गये। मेरा सिर घुम रहा था। यह एक्शन फिल्म देखने जैसा था। हमारे आसपास पृथ्वी के विस्फोट होने के आवाज मैं सुन सकती थी, उसकी आवाज जैसे अंतरिक्ष यान के प्रक्षेपण के समय उसके बगल में खड़े हो। वह कानफोडू था। हम पृथ्वी की ओर जा रहे थे, और प्रभु दाँए या बाँए नही देख रहे थे ; वह स्थिर, बिलकुल सीधा थे। भूमि पर विस्फोट होते हुए पृथ्वी के नजदीक आते हुए प्रत्येक पलो को मैं अपनी आँखों से देख सकती थी। मैं पृथ्वी, पर्वत, पानी, जलती आग देख सकती थी, और मेरी त्वचा पर जलन महसूस कर रही थी। यह ऐसा था जैसे पहाड़ और भूमि

फट रहा था, मेरी त्वचा यह महसूस कर रही थी, मैं भयानक दर्द महसूस कर रही थी।

अचानक से हम पृथ्वी के दूसरे स्थान में आ गए। मैं वहॉ ठहर गई और अपने शरीर को देखने लगी, मेरी त्वचा फटी हुई थी, और मैं उसके दर्द को महसूस कर रही थी, परंतु यह मेरे बारे में नही था। यीशु मेरे चेहरे के समीप, आँखों में आँखें मिला के बोले *''मैं चाहता हूँ कि तुम मेरे मित्रों से मिलो।''* मैं दर्द के कारण रो रही थी। मैं सोच रही थी, वे निश्चय ही ध्यान देंगे कि मैं कितने बुरी तरह से जख्मी हूँ, और कितनी बुरी तरह से मेरी त्वचा फटी और जख्मी है, परंतु उन्होने ध्यान नही दिया। मैं आसपास देखीं, और यह बहुँत भीड़भाड़ वाला स्थान था। मैं यहॉ कभी नही आई थी, परंतु मैं जानती थी कि यह भारत है। वहॉ भयानक बदबू और यहॉ वहॉ हर जगह बहुँत से लोग थे, और मैं प्रभु के पीछे चल रही थी। वे मुझे देख भी नही रहे थे। ऐसा था जैसे वे चाहते थे, कि मैं अपने त्वचा के दर्द को महसूस करु। यहॉ वहॉ हर जगह छोटे बच्चे थे।

वहॉ सुंदर जवान लड़किया कैद में थी, और वे उनके साथ खड़े थे। ऐसा लग रहा था, जो पृथ्वी के छोड़े हुए थे, उनको प्रभु अपना मित्र कहते हैं। मैं देखी बच्चे भूमि पर सोए थे, और उनके शरीरों पर मक्खीयॉ बैठा था, मैं देखी वे इस भयानक जीवन से पार होकर कुछ मिनट पश्चात अनंतकाल के जीवन के लिए जागृत हो गए, वे वहॉ थे, उन प्रत्येक के लिए वे वहॉ थे। उनमें से एक भी उसके आँखों से हटा नही था, उनमें से एक भी नही।

दुःख की बात यह मैं देख रही थी कि अत्यधिक दर्द होने पर भी मुझे रोने और रोने के लिए छोड़ दिए। प्रभु मेरे समीप आए और मेरे चेहरे के समीप आए और मैं उस समय सोची यह मेरे लिए होगा, मैं सोची वे मेरे दर्द पर ध्यान देंगे, परंतु उन्होने कहा *''जब तक तुम्हारा हृदय ना फटे जैसा तुम्हारा माँस अभी है, तुम मेरे मित्रों को नही जान सकती।''* यह बहुँत ज्यादा था जितना मैं सह सकती थी। मैं ठीक वहॉ थी और देख रही थी बच्चों को मरते हुए, माताए आखरी साँसे ले रही थी, बीमारी फैल रही थी, और जवान लड़किया बेची जा रही थी, और यीशु कह रहे थे *''जब तक तुम्हारा हृदय ना फटे जैसा अभी तुम्हारा माँस है, तुम मेरे मित्रों को नही जान सकती, तुम मुझे नही जान सकती।''* जब मैं अत्यधिक रोने लगी यह मेरे लिए आश्चर्य था कि वे मेरे चेहरे के समीप आँखो में आँखे मिला के धीमी आवाज में बोले *''यह नृत्य करने का समय है।''* वे ऐसा कह रहे थे जैसे वह उनका गुप्त हथियार है, नृत्य.....

उन्होने नृत्य करना प्रारंभ किया। वे सिद्ध पैर मृत्यु के ड़र को बता रहे थे, और

जीवन लयबद्ध होकर नृत्य कर रहे थे। जितना नृत्य मैं अब तक देखी उनमें यह नृत्य बहुँत प्रभावशाली था। उनके मित्रों के अन्याय के ऊपर भय का, जूनून के साथ नृत्य कर रहे थे। उन्होने फिर कहा *"जब तक तुम्हारा हृदय दो टुकड़ो में फट ना जाए, तुम मेरे मित्रों को जान नही सकती। तुम मुझे नही जान सकती।"*

तब उन्होने मेरे हाथ फिर से पकड़े, और हम सीधे पृथ्वी के मध्य में जाने लगे, और फिर से मेरे शरीर और माँस में भयानक दर्द महसूस करने लगी, माँस हड्डी से

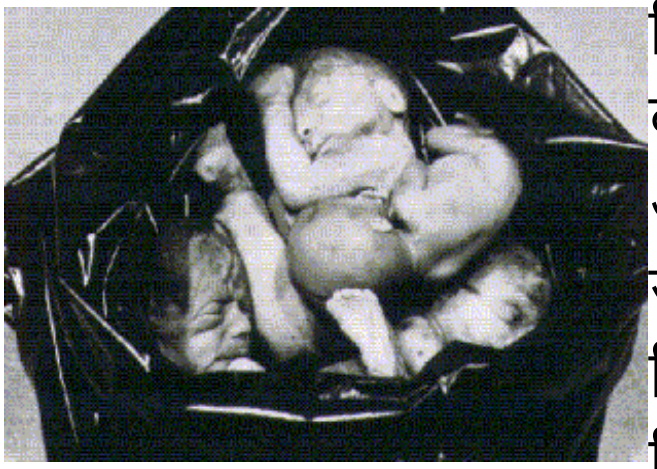

निकलने लगी। जब हम पृथ्वी पर थे, तब धमाका से कानफोडू आवाज आई। अचानक हम ड़ॉक्टर के आफिस जो क्लीनिक जैसा लग रहा था, उस के सामने खड़े थे। मेरी पहली सोच मेरे लिए थी, मैं कितने दर्द में थी, मुझे लगा मेरे हड्डी पर से माँस निकल जाएगा। उन्होने फिर कहा *"मैं चाहता हूँ कि तुम मेरे मित्रों से मिलो।"* मैं आसपास देखने लगी, और एक कूड़ादान देखी, जो नये जन्में बच्चों से भरा था। मैं उनके छोटे छोटे सिर, हाथ, पैर देख सकती थी, और छोटे बच्चे कूड़ेदान पर कूड़ेदान में भरे हुए थे। कुछ अभी तक जीवित थे और हिल रहे थे, उनके शरीर जल गये थे, कुछ के सिर कुचला गये थे, कुछ के पूरे। उनके आँख पूरे खुले थे और देख रहे थे। मैं आश्चर्यचकित हो गई। प्रभु यीशु सीधे मेरे आँखो को अपने आँखो से देखने लगे और बोले *"जब तक तुम्हारा हृदय चीर और फट ना जाए जैसे तुम्हारा माँस है, तुम मेरे मित्रों को जान नही सकती। यह मेरे मित्र हैं।"* जब मैं वहाँ खड़ी थी, तब एक और बच्चा उसके पैर से कूड़ेदान में फेंक दिया गया, एक पूरा बच्चा। मैं प्रभु के विचारों को महसूस कर सकती थी।

"ओह छोड़े हुए, पृथ्वी की खामोशी। तुम छोड़े हुए नही हो ! तुम छोड़े हुए नही हो ! तुम छोड़े हुए नही हो !"

वे पृथ्वी के कमरे में खामोश हैं, परंतु उनकी आवाज सर्वशक्तिमान स्वर्गीय पिता परमेश्वर के कानो में सुनाई दे रही है। अनंतकाल के दीवारो में उनका रोना कभी अंत नही हो रहा। वे दिन और रात और रात और दिन रो रहे हैं, और अपनी ओर स्वर्ग का ध्यान खींच रहे हैं। सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर के कान उनकी ओर हैं। मैं रोने लगी। "लू तुम यह व्यर्थ में नही सह रहे। लू इंगल तुम यह व्यर्थ में नही सह रहे ! लू तुम यह व्यर्थ में नही सह रहे।" मैं देख सकती थी कि स्वर्ग लू इंगल के नाम जानता है। मैं लगातार बच्चों के रोने की आवाज सुन सकती थी जो स्वर्ग के गलियारे से आ रही है। पृथ्वी के छोड़े हुए, पृथ्वी चुप है, परंतु स्वर्गीय पिता के कान उनकी

ओर हैं, और वे दिन और रात और रात और दिन न्याय के लिए रो रहे हैं जो उनके जीवन को ले लिए।

परंतु..... स्वर्ग में उनके पास आवाज है, दिन और रात और रात और दिन..... न्याय के लिए रो रहे हैं..... और उनके पास उनके स्वर्गीय पिता के कान हैं! और फिर से प्रभु यीशु सीधे मेरे आँखों में देखकर बोले *"जब तक तुम्हारा हृदय तुम्हारे माँस की तरह फट ना जाए, मेरे मित्रों को नही जान सकते, तुम मुझे नही जान सकती।"*

मैं वहाॅ सिसक सिसक कर रो रही थी और फिर से वे मेरे चेहरे के समीप और आँखो के समीप आकर धीमी आवाज में बोले *"यह नृत्य करने का समय है।"* उन्होने "नया नृत्य" पृथ्वी के ऊँचे स्थानो के रास्ते पर उनके सिद्ध पैरो से नृत्य करना प्रारंभ किया, गर्भपात क्लीनिक के मध्य में नृत्य करने लगे। यह बहुँत सामर्थी था। मैं जब भी टूटी हुई रहती वे हमेशा उस समय कहते *"यही नृत्य करने का समय है। यह युद्ध करने का समय है, नृत्य द्वारा युद्ध करने का समय है।"* वे नई नृत्य कला से नृत्य करने लगे, यह दो कदम का नही था,अपने पैरो से यह न्यायी का नृत्य था जो अन्याय के ऊपर था। और उन्होने कहा *"कुछ देर इंतजार करो जब तक पृथ्वी इस नृत्य में मेरे साथ ना हो ले, कुछ मेरे साथ हो लिए हैं, और मैं निमंत्रण को और बढ़ा रहा हूँ, परंतु तुम यह नृत्य सिर्फ तभी कर सकती हो जब तुम्हारा हृदय सबसे ज्यादा फटा और टूटा हो।"*

वे मेरे पास फिर आए और बोले *"मैं चाहता हूँ कि तुम मेरे कुछ मित्रों से मिलो।"* और हम फिर पृथ्वी पर से गये। मैं मुश्किल से खड़े हो पा रही थी। मेरा हृदय टूट गया था। मेरी त्वचा फट गई थी। मैं नीचे देखी और ऐसा दिखा जैसे बम मेरे बगल फटा। हम बहुँत बहुँत व्यस्त गली में चल रहे थे। वे मेरे से आगे चल रहे थे, और मैं बहुँत दर्द में थी, मैं चाहती थी वे धीरे चले, परंतु यह मेरे हाथ में नही था। वे चाहते थे कि मैं दर्द को महसूस करु, क्योकि वे चाहते थे कि मेरा हृदय दर्द को जाने और उसे आलींगन कर ले, और ले ले जैसे कि वह मेरा ही है। उन्होने मेरा इंतजार किया कि मैं उनके साथ साथ चल सकू। मैं जानती थी यह स्थान इस्राएल है। अन्य समयों में मैं देख सकती थी जब उन्हे कोई "नमस्कार" या "शालोम" कहता, वे उनके सिर को छू देते। वे नही बोलते, वे केवल उनके सिर को छू देते। वे उनके आँखो में देखते और उनके सिर को छूते, और मैं देखी जब वे एक व्यक्ति के सिर को छू दिए, में देखी उसकी आँखें उभर जाती थी। मैं उसको गहराई से देखी, और उसमें रोशनी जाते हुए मैं देख सकती थी। मैं यह केवल एक नजर से देख पाई, प्रभु यीशु मसीह उसके

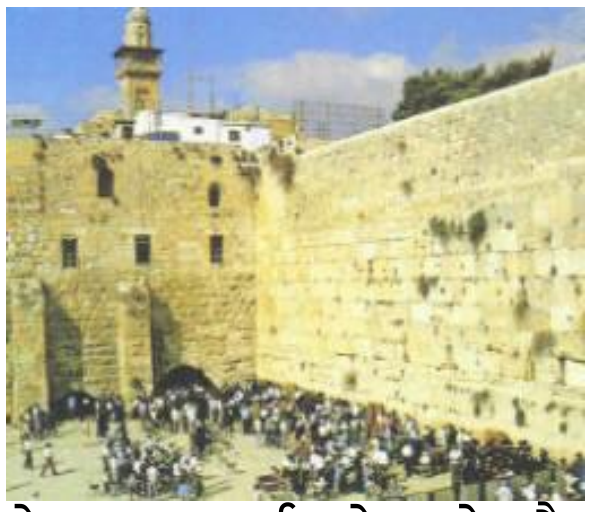

हृदय के आँखो को खोल दिए, कि वे उनको पूरी तरह से देख सकें कि यीशु ही मसीह हैं। मैं यह साफ साफ यरुशलेम के रास्तों पर चलते हुए उनके भीतर देख सकती थी, अचानक से उनके हृदय के आँख खुल जाते हैं, और एक छोटा ज्योति जलना उनके भीतर प्रारंभ हो जाता है।

कुछ व्यक्तियों के सिर पर उन्होने छूआ, मैं जानती हूँ कि यहूदी समाज में –रब्बी, सिर महान अधिकार है। मैं पूरी तरह से देख सकती थी कि प्रभु उनके आँखों को खोल रहे हैं, प्रभु प्रकट हो रहे थे। वे कुछ रब्बीयों के सामने प्रकट हो रहे थे, कुछ क्षणों के लिए और सहमति में सिर हिला देते। प्रकाशन की ज्योति उनके हृदय में गहराई तक जलना प्रारंभ हो जाती है, और दूसरी बात उनके हृदय की आँखें खुल जाती। (भजन संहिता 102:16) *क्योंकि यहोवा ने सिय्योन को फिर बसाया है, और वह अपनी महिमा के साथ दिखाई देता है।* हमने उन रब्बीयों को उनके घरों के कमरों तक पीछा किया और मैं देख रही थी, रब्बी अपने घुटनो पर आकर रोने लगे *'इससे सब कुछ बदल गया। इससे सब कुछ बदल गया।''* मैं देखी प्रभु वहाँ जाकर उनके भीतर थोड़े प्रकाशन के अंगार पर फूँक मार देते, और थोड़े थोड़े करके अदम्य आग जलना प्रारंभ हो जाती। मैं देखी यह छोटा प्रकाशन रुपी आग उनके हड्डी में भी जलने लगती। मैं देखी यह आग लगातार जलती जब तक नियत दिन नही आ जाता। जब रब्बी इसको संभाल ना सके और पहाँड़ों की ऊचाई से चिल्लाने लगे कि''यीशु ही मसीह हैं''..... ''यीशु ही मसीह हैं !''मैं असल में सोच रही थी कि कैसे हमे कनास शहर के हमारे छोटे से प्रार्थना सभा में प्रार्थना करनी चाहिए कि अपनी महिमा में यीशु मसीह प्रकट हो जाए।

मैं पहली बार यीशु के चेहरे को देखी, उनके आँसू निकल रहे थे, और मैं उनको यह कहते सुनी *''हे यरुशलेम, हे यरुशलेम।''* मैं अपने हृदय में प्रभु का इस्राएल के प्रति जुनून और प्रेम महसूस कर सकती थी। और मैं प्रेमी के दर्द को जब प्रेम के बदले प्रेम ना मिले महसूस कर सकती थी, फिर मेरी तरफ वे देखे और बोले *''जब तक तुम्हारा हृदय फट और चीरा ना जाए जैसा तुम्हारा शरीर अभी है, तुम मेरे मित्रों को नही जान सकते। तुम मुझे नही जान सकती।''* मैं अपने हृदय के गहराई में इस्राएल के लिए प्रभु के प्रेम की गहराई को महसूस कर सकती थी। जैसे याकूब राहेल से प्रेम करता था, जैसे एलकाना हन्ना से प्रेम करता था, जबकि प्रभु का जुनून कुदरती प्रेम से कही अधिक बढ़कर है। मैं फिर रोने और रोने लगी, और मेरे आँखों से आँसू के नमक मेरे शरीर के घाव पर गिर रहे थे,अभी तक मैं चुप नही हो पा रही थी, इससे अधिक मैं सह नही सकती थी, और मैं भूमि पर गिर पड़ी, वे धीमी आवाज में बोले *''यही नृत्य करने का समय है।''*

हम अचानक से शोक की दीवार के समक्ष आ गए, और वे फिर से नृत्य करने लगे, वे अपने सिद्ध पैरो से नृत्य कर रहे थे। वैसा नृत्य मैं आजतक नही देखी। जब भी मैं टूटी हुई और गहरे दुःख में होती वे हमेशा कहते *"यह नृत्य करने का समय है।"* और मैं इस नृत्य के सामर्थ को महसूस कर रही थी, वे अन्याय के ऊपर नृत्य कर रहे थे। क्या ही अदभुत दृश्य था, जब परमेश्वर के पुत्र अपने सिद्ध पैरो द्वारा अन्याय के ऊपर नृत्य कर रहे थे। प्रभु यीशु मसीह कह रहे थे *"यह नृत्य करने का समय है। यह नृत्य करने का समय है।"* यह नृत्य तब होता है, जब हमारे आराधना करने और पृथ्वी के गरीबो और खोए और छोड़े हुओ के लिए हमारे हृदय दुःखी और तरस से भरा होता है, जिसे प्रभु अपना मित्र कहते हैं। और जब हमारा हृदय अत्यधिक टूटा हुआ होता है, वही नृत्य करने का समय है। वाह क्या दृश्य था, राजाओं के राजा, पृथ्वी के न्यायी को उनके सिद्ध पैरों द्वारा जुनून के साथ अन्याय के ऊपर नृत्य करना। यह सीधा सपाट नृत्य है ! यह नृत्य करने का समय है। और मैं जानती थी कि हम दीवार की तरफ यरुशलेम की गलीयों से जा रहे हैं, वहाँ उन्होंने नृत्य करना प्रारंभ किया। मैं जानती थी कि वे वहाँ यहूदी समाज के कुछ महत्वपूर्ण लोगो पर अपने आपको प्रगट कर रहे हैं, जबकि नृत्य के मध्य में ही वे यहूदी समाज के उच्च रब्बीयों पर अपने आपको प्रगट कर रहे हैं। उनकी (रब्बीयों) आँखों को उभरते हुए देखी। मैं उनके आँखों के भीतर से उनके हृदयों को भी देख सकती थी, जो कायल हो रहे थे। मैं देख सकती थी, प्रभु अपने *"वचनों को"* उनमें ड़ाल रहे थे कि वही और सिर्फ वही "मसीह" हैं। जैसा इस दिन है, वैसा ही वह समय आनेवाला है, जब पृथ्वी के उच्चतम स्तर के चुने हुए रब्बी, प्रभु के समय में — वे अपने हृदयों में उत्तेजित होंगे और यरुशलेम के ऊँचें स्थानों में दौड़ते हुए जाएंगे और पूरे यरुशलेम में चिल्लायेंगे, *यशुआ ही मसीह हैं। यशुआ ही मसीह हैं!*

धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है। अभी, वे इसे छुपा रहे हैं, और खुद से ही पूछ रहे हैं, क्या यह वास्तव में होगा ? अपने समय में पूरा होने के लिए यह पहले से ही नियुक्त है, और भविष्य में यह दिन आनेवाला है, वे उन पर प्रगट हो रहे हैं, और मनुष्यों के हृदयों को खोल रहे हैं। उनके हड्डियों में आग जला रहे हैं। मैं देख सकती हूँ इन रब्बीयों को जो प्रभु के वचनों से कायल हो रहे हैं, उनके (यीशु) प्रगटीकरण को घोषित कर रहे हैं। यह हो रहा है। यह नियत समय में होने के लिए नियुक्त है। यह आज हो रहा है।

यिर्मयाह 20:9 *यदि मैं कहूं, मैं उसकी चर्चा न करूंगा न उसके नाम से बोलूंगा, तो मेरे हृदय की ऐसी दशा होगी मानो मेरी हड्डियों में धधकती हुई आग हो, और मैं अपने को रोकते रोकते थक गया पर मुझ से रहा नहीं जाता।*

और फिर से उन्होंने कहा *"जब तक तुम्हारा हृदय दो टुकड़ों में फट ना जाये और तुम्हारा हृदय दो भाग में चीरा ना जाये, जैसा अभी तुम्हारा माँस है, तब तक तुम मेरे मित्रों को नही जान सकते।"*

यही नृत्य करने का समय है !

Translated by, translate_to_hindi@yahoo.com